आपके दाँतों को सफ़ेद बनाने का कोई-न-कोई तरीका हमेशा होता है

क्या आपने कभी मोतियों जैसे सफ़ेद दाँतों के सेट के बारे में सोचा है?

विभिन्न रंग और धब्बे

पीलापन लिए भूरे रंग से नीलापन लिए सलेटी रंगत

कारण:

यदि आपने दाँतों के विकसित होने के दौरान टेट्रासाइक्लिन, एक प्रकार की कीटाणु नष्ट करने की दवा ली थी, तो बाद में दाँतों की रंगत पीलापन लिए भूरी से नीलापन लिए हुए सलेटी हो जायेगी।

इलाज:

दंत-चिकित्सक आपको आपकी मौखिक स्थिति के लिए उपयुक्त इलाज की सलाह दे सकते हैं।

1. **ब्लीचिंग**

ब्लीचिंग से पहले

ब्लीचिंग के बाद

- घरेलू ब्लीचिंग:

दंत-चिकित्सक मॉडल का सेट बनाने के लिए आपके दाँतों की छाप लेते हैं। दंत प्रयोगशाला में एक अनूकल सफ़ेदीकरण ट्रे का निर्माण किया जाता है। आपको इस ट्रे को ब्लीचिंग-घोल से भरना चाहिए और दाँतों पर रातभर पहनना चाहिये। साथ ही, आपको दंत-चिकित्सक के निर्देशों के अनुसार इस ट्रे को हर रात पहनना चाहिये और पहले से निर्धारित की गई फॉलो-अप भेंटों के लिए दंत-चिकित्सक के पास वापस जाना चाहिये।

- पेशेवर ब्लीचिंग:

  दंत-चिकित्सक दाँतों को सफ़ेद करने के लिए सान्द्र सफ़ेदीकरण जेल को उत्प्रेरित करने के लिए एक अत्यंत तीव्र रोशनी का इस्तेमाल करते हैं।

  ब्लीचिंग केवल एक निश्चित समय अवधि तक ही दाँतों को सफ़ेद बनाये रखती है और ये अवधि प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग होती है। अतः दाँतों को सफ़ेद बनाये रखने के लिए आपको बार-बार इलाज की आवश्यकता पड़ सकती है।

2. परतीकरण

दंत-चिकित्सक दाँतों की सतह के ऊपर पोर्सलेन का परतदार मुलम्मा मजबूती से चढ़ा देते हैं।

परतीकरण से पहले

परतीकरण के बाद

सलेटीपन लिए हुए काला दांत

कारण 1:

दांत का परिगलित (मृत) होना

यदि दांत दाँतों के आघात से या दाँतों के अस्थिक्षय की वजह से विचलित हो गए हों तो परिगलित लुगदी द्वारा स्त्रावित पदार्थ दांत के भीतर प्रवेश करेंगें और दाँतों को सलेटीपन लिए हुए काला बना देंगें।

दाँत परिगलित (मृत) है

रूट कैनाल चिकित्सा के बाद

इलाज:

यदि दांत परिगलित है, तो रूट-कैनाल चिकित्सा आवश्यक होती है। यदि इस चिकित्सा के बाद भी दांत सलेटीपन लिए हुए काला रहता है, तो दंत-चिकित्सक आपको लुगदी की ब्लीचिंग या परतीकरण या क्राउनिंग की सलाह दे सकते हैं।

कारण II:

दांत का सड़ना

इलाज:

दंत-चिकित्सक दांत के सड़े हुए हिस्से को निकालते हैं और दांत को बहाल कर देते हैं।

सड़े हुए दांत

भराई के बाद

दाँतों में पीलापन लिए भूरे चकत्ते

कारण:

यदि दूध का दांत इतना सड़ चुका है कि लुगदी दिखाई दे रही हो, तो दांत के सिरे के रास्ते से बैक्टीरिया, आने वाले विकसित हो रहे स्थाई दांत के आसपास के संक्रमण का कारण बनते हैं। यह स्थाई दांत के एनेमल के विकास को बाधित करेगा, नतीजतन भूरापन लिए पीले या सफ़ेद चकत्तों का निर्माण होगा।

इलाज:

1. संयुक्त बहाली

दाँतों की सतह की सफाई करने के बाद यह दांत संयुक्त रेज़िन जो दाँतों की प्राकृतिक रंगत से मेल खाता है, के साथ बहाल किया जायेगा।

2. परतीकरण

दंत-चिकित्सक दाँतों की सतह के ऊपर पोर्सलेन का परतदार मुलम्मा मजबूती से चढ़ा देते हैं।

दाँतों की सतह पर भूरापन लिए काले दाग

कारण:

धूम्रपान या गहरे रंग के पेय पदार्थों जैसे चाय या कॉफ़ी का नियमित सेवन दाँतों की सतह पर रंगों को अवशोषित करता है और धब्बों का कारण बनता है।

इलाज:

1. पोलिशिंग

दंत-चिकित्सक काले धब्बों को हटाने के लिए प्यूमिस पाउडर का इस्तेमाल करते हैं और उसके बाद दांतों की सतह को चमकाने के लिए पोलिशिंग लेप का उपयोग करते हैं।

काले धब्बे हट गए हैं

2. प्रॉफी जेट पोलिशिंग

सोडा-पाउडर (सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट) और पानी के साथ हवा को मिलाया जाता है। उसके बाद दाँतों की सतह के धब्बों को हटाने के लिए तीव्र गति के इजेक्टर के माध्यम से इस मिश्रण की फुहार को फेंका जाता है।

जब भूरापन लिए ये काले धब्बे हट जाएँ, तो इन धब्बों के दोबारा दिखने से बचने के लिएआपको धूम्रपान छोड़कर और गहरे रंग के कम पेयपदार्थों का सेवन करके अपनी आदत बदलनी होगी।

दाँतों की सतह पर हरे या नारंगी धब्बे

कारण:

दाँतों का पूर्णतया साफ़ न किया जाना, और दाँतों की एकत्रित मैल में बैक्टीरिया और फफूँद समाहित रहना जो रंग उत्पन्न कर सकते हैं और हरे और नारंगी धब्बों का निर्माण करते हैं।

इलाज:

दाँतों की एकत्रित मैल और धब्बों को हटाने के लिए दंत-चिकित्सक स्केलिंग करते हैं। ।

संतरी धब्बे हट गए हैं

आंशिक पीलापन लिए दांत

कारण:

चूँकि स्थायी दांत का एनेमल थोड़ा-सा पारदर्शी होता है, इसलिए मूल दांत की हड्डी की पीली रंगत इसमें से दिखाई देती है। अतः स्थायी दांत थोड़ा पीला दिखाई देता है। जैसे-जैसे हहमारी उम्र बढ़ती है, दांत की हड्डी उत्तरोत्तर मोटी होती जाती है और ये सामान्य है कि हमारे दांत अधिक पीले हो जाएँ।

इलाज:

निश्चिन्त रहें कि पीले दांत स्वाभाविक हैं और समस्याग्रस्त नहीं हैं, इसलिए

सफ़ेदीकरण के इलाज की कोई आवश्यकता नहीं है।

निष्कर्ष

दाँतों का रंग और दाँतों की सतह पर धब्बे, दोनों का कारण पर्यावरणीय कारक होते हैं।
आतंरिक पर्यावरणीय कारक दाँतों को बदरंग और बाह्य कारक दाँतों की सतह पर धब्बे बनाते हैं।

दाँतों में बदरंगता के लिए इलाज

दंत-चिकित्सक से इनके लिए सलाह लें:-

- ब्लीचिंग
- सौन्दर्यपरक बहाली

दाँतों की सतह पर धब्बे की रोकथाम

रोज़मर्रा की आदतों पर ध्यान दें:-

- धूम्रपान का त्याग करें और गहरे रंग के पेय पदार्थों का सेवन घटाएँ
- अपने दाँतों को प्रतिदिन सुबह और रात्रि में ब्रश करें और दाँतों की मैल को पू री तरह निकालने के लिए दंत धागे (फ्लॉस) का उपयोग करें